# RAWATSAR P.G. COLLEGE

*'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)*

DATE: 25 January 2025

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)

Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152


## कला संगीत और साहित्य में AI की भूमिका एक सामायिक अध्ययन


डॉ. पूनम सोनी, प्राचार्या, रावतसर महाविद्यालय, रावतसर (राज.)


### भूमिका

कला क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और यह कला के निर्माण, प्रदर्शन, संरक्षण और प्रसार के तरीके को बदल रही है। निम्नलिखित बिंदु इस क्षेत्र में AI की भूमिका को स्पष्ट करते हैं। आज की टेक्नोलॉजी के युग में (AI) कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे जीवन के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। संगीत रचना भी इससे अछूती नहीं रही है। AI के माध्यम से संगीत रचना के क्षेत्र में कई नए आयाम खुल गए हैं।

**पूर्व साहित्य अध्ययन**

सक्सेना अनुपमा (2021) संगीत के परिपेक्ष में साहित्य (एक अवलोकन) में बताया कि संगीत एक प्राकृतिक एवं उत्तम कला है। सभी कलाओं में संगीत को सबसे प्राचीन एवं सर्वोपरि माना गया है। भाषा से पूर्व भी संगीत प्रकृति के कण–2 में व्याप्त था। संगीत शब्द के अन्तर्गत गायन, वादन तथा नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश होता है। इन तीनों कलाओं में गायन को प्रथम स्थान पर रखा गया है। संगीत कला को स्वरों का मिश्रण भी कहा जाता है। जब इन स्वरों के साथ साहित्य जोड़ दिया जाता है तो सोने पे सुहागा जैसा प्रतीत होता है। संगीत मानव मन को आकर्षित करने की ही नहीं, वरन् स्वर लहरी के माध्यम से अपने भावों को श्रोता के हृदय में उतारना ही परमात्मा में लीन करने का सर्वोत्कृष्ट माध्यम है। वैदिक काल में साम गायन का पेचलन था। सामवेद कालीन संगीत पूर्णतः आध्यात्मिक वैदिक मंत्रों के स्वरबद्ध उच्चारण आदि का प्रयोग होता था। हर मंत्र के लिए अलग–अलग लय, छंद, ताल, स्वर आदि है संगीत नाद प्रधान है और साहित्य शब्द प्रधान है। संगीत और साहित्य का बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध हैं। संगीत लयात्मक है। तब लय में कलाकार किसी भी प्रकार की भावाभिव्यक्ति करके सौन्दर्यानुभूति करा सकता है। त्रिपाठी रंजना (2021) लोक संगीत में शोध व आवश्यकता में बताया कि वर्तमान समय में लोक संगीत की क्या स्थिति है? क्या वास्तविक लोक धुने बिसराई जा रही है? क्या समाज की स्थिति को इसमे पिरोकर गीत संगीत का नूतन स्वरूप तय किया जा सकता है? लोक संगीत तो नही के प्रवाह की तरह है, जहां–जहां से गुजरेंगा वहीं की मिट्टी की खुशबू, लोक की धुनों को अपने मे समेटे चलेगा। कालान्तर मे क्या नये परिवर्तन हुये यह जानने के लिये लोक संगीत मे शोध की आवश्यकता है।

**उद्देश्य –**

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य कला संगीत और साहित्य पर AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रभाव का अध्ययन करना है, आधुनिकता के युग में स्मार्ट उपकरणों और कला संगीत और साहित्य स्वरूप निरंतर बदलता जा रहा है। इसका वर्तमान स्वरूप पहले से कहीं अधिक प्रचलित है, जबकि मनोवैज्ञानिकों, रूप से कला संगीत से माता–पिता के बीच एक सक्रिय बहस चल रही है कि बच्चों के लिये स्क्रीन समय की मात्रा सीमित रखना चाहिए। प्रस्तुत शोध पत्र में, शिक्षा और कला संगीत और साहित्य पर AI के प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।


**शब्द सूचि – पांडुलिपियों, ऑगमेंटेड रियलिटी, कस्टमाइज्ड, मॉडिफिकेशन, लाइव कंसर्ट।**


### 1. कला निर्माण में AI

सृजनात्मक कलाः AI का उपयोग पेंटिंग, संगीत, साहित्य, और मूर्तिकला जैसे कला रूपों में नए और अद्वितीय सृजन के लिए किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, AI आधारित टूल्स (जैसे DALL-E, MidJourney) कलाकारों को अपने विचारों को चित्रों में बदलने में मदद करते हैं। सहायक कलाकारः AI को एक सहायक के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जहाँ यह कलाकारों को उनके काम को बेहतर बनाने या प्रेरणा देने में मदद करता है।

### 2. डिजिटल कला में AI

AI–आधारित सॉफ्टवेयर डिजिटल कला को अधिक इंटरैक्टिव और जीवंत बनाते हैं। उदाहरण के लिए, AI एनीमेशन और 3D मॉडलिंग को तेज़ और सटीक बनाता है। गेम डिजाइन और विजुअल इफेक्ट्स

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

में AI का व्यापक उपयोग हो रहा है।

**3. कला का विश्लेषण और संरक्षण**

कलाकृतियों का विश्लेषण AI का उपयोग कला इतिहास और कलाकृतियों के गहरे विश्लेषण के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक कला में छिपी परतों और विवरणों को उजागर करने में मदद करती है। संरक्षण पुरानी कलाकृतियों और चित्रों को संरक्षित करने के लिए AI तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह क्षतिग्रस्त या लुप्त हो रही कला को पुनःस्थापित करने में सहायक है।

**4. कला प्रदर्शन और प्रसार**

वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) के साथ AI का उपयोग कला प्रदर्शनी और संग्रहालय अनुभव को अधिक इंटरैक्टिव बनाने के लिए किया जा रहा है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर AI कला को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में मदद कर रहा है।

**5. व्यक्तिगतकरण और ऑडियंस विश्लेषण**

AI दर्शकों के रुझान और पसंद का विश्लेषण करके कलाकारों को उनके लक्षित दर्शकों तक पहुँचाने में मदद करता है। कला प्रदर्शनियों और इवेंट्स के लिए कस्टमाइज्ड अनुभव प्रदान किया जाता है।

**6. कला और एथिक्स**

AI ने कला निर्माण को लोकतांत्रिक बनाया है, लेकिन यह सवाल भी खड़े किए हैं, जैसे कि सृजन की मौलिकता और कलाकारों के अधिकार। AI की मदद से नकली कलाकृतियों को पहचानने और उनकी प्रमाणिकता की पुष्टि करने में सहायता मिलती है।

संगीत क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका ने संगीत के निर्माण, वितरण, और अनुभव के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। AI संगीत उद्योग में सृजन, उत्पादन, प्रदर्शन, और श्रोताओं के साथ जुड़ने के तरीके को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।

**1. संगीत निर्माण में AI**

स्वचालित संगीत रचनाः AI–आधारित टूल्स (जैसे AIVA Amper Music) का उपयोग करके नई धुनें, राग, और गीत स्वचालित रूप से तैयार किए जा सकते हैं। ये टूल्स विभिन्न शैलियों में संगीत बनाने में सक्षम हैं। आधुनिक साउंडट्रैक AI का उपयोग फिल्मों, वीडियो गेम्स और विज्ञापनों के लिए कस्टम साउंडट्रैक बनाने में हो रहा है। सहायक उपकरण AI कलाकारों को संगीत की रचना और संपादन में सहायता करता है, जैसे कि सही सुर और ताल का सुझाव देना।

**2. संगीत उत्पादन में AI**

ऑडियो मिक्सिंग और मास्टरिंग AI का उपयोग संगीत उत्पादन प्रक्रिया को तेज और सटीक बनाने के लिए किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, LANDR जैसे टूल्स स्वचालित मास्टरिंग प्रदान करते हैं। ध्वनि शुद्धिकरण AI खराब रिकॉर्डिंग को सुधारने, शोर कम करने और ध्वनि गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है।

**3. श्रोताओं के अनुभव में AI**

पर्षनलाइज्ड प्लेलिस्ट AI आधारित एल्गोरिदम (जैसे Spotify और YouTube Music) श्रोताओं की पसंद और आदतों के आधार पर उनके लिए पर्षनलाइज्ड प्लेलिस्ट तैयार करते हैं। संगीत की खोज AI श्रोताओं को उनकी पसंद के अनुसार नए गाने और कलाकारों की खोज में मदद करता है। इंटरैक्टिव संगीत अनुभवः वर्चुअल रियलिटी और AI के माध्यम से लाइव कंसर्ट और संगीत के अनुभव को और अधिक रोचक बनाया जा रहा है।

**4. संगीत विश्लेषण और प्रशिक्षण में AI**

संगीत विश्लेषण AI का उपयोग ध्वनि और राग के पैटर्न की गहन समझ के लिए किया जा एप्लिकेशन (जैसे Yousician) छात्रों को संगीत सीखने और अभ्यास करने में मदद करते हैं। ये टूल्स रहा है। यह संगीत की शैली, जटिलता, और संरचना का विश्लेषण करता है। संगीत शिक्षा AI आधारित

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

तुरंत फीडबैक भी देते हैं।

**5. पुराने संगीत का संरक्षण और पुनः निर्माण**

AI का उपयोग पुराने संगीत रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और उन्हें पुनः जीवंत करने के लिए किया जा रहा है। लुप्तप्राय धुनों और पारंपरिक संगीत शैलियों को AI के माध्यम से संरक्षित किया जा रहा है।

**6. आभासी कलाकार और स्वर उत्पादन**

AI का उपयोग वर्चुअल पॉपस्टार और गायकों के निर्माण में किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, Hatsune Miku जैसे AI आधारित वर्चुअल कलाकार काफी लोकप्रिय हैं। AI का उपयोग वोकल सिंथेसिस और वॉयस मॉडिफिकेशन में किया जा रहा है, जिससे मानवीय आवाज को कृत्रिम रूप से तैयार किया जा सकता है।

**7. संगीत वितरण और कॉपीराइट सुरक्षा**

AI का उपयोग संगीत की ऑथेंटिसिटी और कॉपीराइट सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर AI श्रोताओं की आदतों का विश्लेषण करके संगीत वितरण रणनीतियों को अनुकूलित करता है।

**8. AI और संगीत का भविष्य**

AI नई शैलियों और ध्वनियों की खोज को प्रोत्साहित कर रहा है। कलाकारों और संगीतकारों के लिए AI एक सहायक टूल के रूप में काम करता है, जिससे उनकी रचनात्मकता बढ़ती है। AI के साथ नैतिक मुद्दे (जैसे श्रेय और मौलिकता) भी उभर रहे हैं, जिन्हें हल करने की जरूरत है।

साहित्य के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। AI ने साहित्य के सृजन, विश्लेषण, अनुवाद और प्रकाशन के तरीकों में व्यापक बदलाव लाए हैं। यह लेखकों, पाठकों और प्रकाशकों के लिए नई संभावनाएं और चुनौतियां लेकर आया है।

**1. साहित्यिक सृजन में AI**

स्वचालित लेखन AI आधारित टूल्स का उपयोग कहानियां, कविताएं, उपन्यास, और लेख लिखने में किया जा रहा है। ये टूल्स विचारों को शब्दों में ढालने में मदद करते हैं। रचनात्मकता का विस्तार AI लेखकों को नए विचार, कथानक (प्लॉट), और पात्रों के निर्माण में सहायता करता है। कॉपीराइट लेखन विज्ञापनों, ब्लॉग्स, और सोशल मीडिया कंटेंट के लिए AI टेक्स्ट जनरेट कर सकता है।

**2. साहित्यिक अनुवाद में AI**

AI आधारित अनुवाद टूल्स (जैसे Google Translate, DeepL) का उपयोग विभिन्न भाषाओं में साहित्य का अनुवाद करने के लिए किया जा रहा है। ये टूल्स साहित्य को वैश्विक स्तर पर सुलभ बनाते हैं और भाषा बाधाओं को कम करते है, साहित्यिक अनुवाद में मानवीय संवेदनाओं को शामिल करने की चुनौतियां भी मौजूद हैं।

**3. साहित्यिक विश्लेषण में AI**

पाठ का विश्लेषण AI का उपयोग साहित्यिक ग्रंथों के गहन अध्ययन और उनकी थीम, शैली, और संरचना का विश्लेषण करने में किया जाता है। पाठ्य सामग्री की पहचान AI पुराने और दुर्लभ साहित्य को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और उसे सुलभ बनाने में मदद करता है। रुझानों का अध्ययन AI पाठकों की पसंद और साहित्य में प्रचलित रुझानों का विश्लेषण करके नए विषयों की पहचान करता है

**4. पाठक अनुभव में सुधार**

पर्षनलाइज्ड सुझाव AI आधारित प्लेटफॉर्म (जैसे Amazon, Goodreads) पाठकों की पसंद के अनुसार किताबों की सिफारिश करते हैं। ऑडियोबुक्स और ई–बुक्स AI टेक्स्ट को वॉयस में बदलकर ऑडियोबुक्स तैयार करता है, जिससे पढ़ने का अनुभव और भी सुविधाजनक हो जाता है। वर्चुअल

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

साहित्यिक अनुभवः वर्चुअल रियलिटी और AI के माध्यम से साहित्यिक कार्यक्रमों और पुस्तक पाठन को अधिक इंटरैक्टिव बनाया जा रहा है।

**5. लेखकों और प्रकाशकों के लिए**

पांडुलिपि का मूल्यांकन AI का उपयोग पांडुलिपियों की समीक्षा करने और उनकी व्यावसायिक संभावनाओं का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। प्रकाशन प्रक्रिया में स्वचालन AI सामग्री को एडिट, प्रूफरीड और प्रारूपित करने में मदद करता है, जिससे प्रकाशन प्रक्रिया तेज हो जाती है। बिक्री और मार्केटिंग AI प्रकाशकों को पाठकों के रुझान का अध्ययन करके विपणन रणनीतियां तैयार करने में मदद करता है।

6. AI आधारित साहित्यिक उपकरण और एप्लिकेशन

लेखन सहायक Grammarly- ProWritingAid जैसे टूल्स लेखकों को वर्तनी, व्याकरण, और शैली में सुधार के सुझाव देते हैं। कहानी निर्माणः Plot Generator, Jasper AI जैसे टूल्स लेखकों को कहानी के विचारों और कथानक बनाने में मदद करते हैं।

7. साहित्यिक संरक्षण में AI

AI का उपयोग पुराने ग्रंथों और दुर्लभ पांडुलिपियों को स्कैन, संरक्षित और पुनस्थापित करने के लिए किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साहित्य को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने में मददगार है।

8. नैतिक और रचनात्मक चुनौतियां

मौलिकता और कॉपीराइट AI द्वारा लिखे गए साहित्य में मौलिकता और अधिकारों का सवाल उठता है। संवेदनाओं की कमी AI साहित्य को तकनीकी दृष्टिकोण से तैयार करता है, लेकिन मानवीय भावनाओं और गहराई को पूरी तरह से शामिल करना चुनौतीपूर्ण है। रचनात्मकता पर प्रभाव AI लेखन में सहजता और मानवीय अनुभवों का अभाव हो सकता है।

9. भविष्य में AI और साहित्य

AI साहित्य को अधिक लोकतांत्रिक और समावेशी बना सकता है। AI आधारित साहित्यिक अनुवाद और रचना दुनिया भर के साहित्य को आपस में जोड़ सकते हैं। हालांकि, AI को मानव रचनात्मकता का पूरक बनाते हुए नैतिकता और मौलिकता को बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

**निष्कर्ष –**

AI ने साहित्य के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह लेखकों, पाठकों और प्रकाशकों के लिए एक सहायक टूल के रूप में काम कर रहा है। हालांकि, इसकी सीमाओं और नैतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसे संतुलित तरीके से उपयोग करना आवश्यक है।

**सन्दर्भः–**


- डॉ कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी ग्राम्यगीत भाग–1 पृष्ठ–323 2.
- नाट्य शास्त्र – भरतकृत – 32/440 3.
- भोजपुरी लोक साहित्य का अध्ययन पृ0 328 – डॉ0 कृष्ण देव उपाध्याय
- प्राचीन भारत में संगीत – डॉ0 पूनम मिश्रा – पृष्ठ 4
- नीति शतक – राजा श्री भृर्तहरि कृत – पृष्ठ 31
- चिंतामणि – रामचन्द्र शुक्ल – प॰ष्ठ 179
- संगीत निबन्ध संग्रह – प्रो0 हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव – प॰ष्ठ 58
- हिन्दी साहित्य का इतिहास – एल0एम0 पाण्डे – पृष्ठ 60
- भोजपुरी लोक संगीत – कृष्णदेव उपाध्याय – पृष्ठ 424